

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर, डीडवाना जिला नागौर (राज०)
पीठासीन अधिकारी : रिछपाल सिंह बुरडक, आर०ए०एस०

अपील संख्या 30/2019

- 1- बोदू सिंह पुत्र धन सिंह
- 2- केशर सिंह पुत्र धनसिंह
- 3- भवानी सिंह पुत्र धनसिंह
- 4- बालसिंह पुत्र धनसिंह

समस्त जाति राजपुत निवासीगण धोलिया, तहसील लाडनू जिला नागौर राज०।

.....अपीलान्त

बनाम

1-राजस्थान सरकार, जरिये पटवारी हल्का, लैडी तहसील लाडनू, जिला नागौर
राज०।

.....रेस्पोंडेन्ट

उपस्थित अधिवक्ता-

1-श्री सुनील कुमार शर्मा अधिवक्ता अपीलान्त की ओर से।

अपील विरुद्ध निर्णय न्यायालय नायब तहसीलदार, लाडनू पीठीन
अधिकारी कार्तिकेय मीणा, मुकदमा नं० 46/18 बअनुवान राजस्थान सरकार
जरिये प०ह० लैडी बनाम बोदुसिंह वगैरह निर्णय दिनांक 13.05.2019
अन्तर्गत धारा 91 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956


अपील अन्तर्गत धारा 75 लेण्ड रेवेन्यू एक्ट

निर्णय

दिनांक : 03.03.21

{1} -यह अपील राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 75 के अन्तर्गत नायब तहसीलदार लाडनू के प्रकरण सं० 46/2018 बअनुवान पटवारी हल्का लैडी बनाम बोदुसिंह वगै० में पारित निर्णय दिनांक 13.05.2019 के विरुद्ध पेश की है।

{2} मामलें के सक्षिप्त में तथ्य इस प्रकार है कि पटवारी हल्का लैडी ने अपीलान्त/अप्रार्थीगण के विरुद्ध न्यायालय नायब तहसीलदार लाडनू को रिपोर्ट पेश


अतिरिक्त जिला कलक्टर
डीडवाना



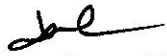
कर निवेदन किया कि अपीलान्त/अप्रार्थीगण ने मौजा ग्राम धोलिया के खसरा नम्बर 456 रकबा 00.07 बीघा किस्म गै०मु० रास्ते की भूमि को खेत में मिलाकर राजकीय भूमि पर अतिक्रमण किया है तथा अतिक्रमियों को अतिक्रमित भूमि से बेदखल करने का निवेदन किया। पटवारी हल्का की रिपोर्ट के आधार पर अधीनस्थ न्यायालय ने प्रकरण दर्ज रजिस्टर कर अपीलान्त/अप्रार्थीगण को राज० भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के तहत जरिये नोटिस जारी कर तलब किया गया। अप्रार्थीगण के नोटिस चस्पा कर दो मोतबराने के हस्ताक्षर सहित प्राप्त हुए। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलान्त/अप्रार्थीगण द्वारा मौजा धोलिया के खसरा नम्बर 456 रकबा 0.07 बीघा किस्म गैर मु० रास्ते की भूमि पर अतिक्रमण किये जाने पर अप्रार्थीगण द्वारा किया गया अतिक्रमण राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के प्रावधानों का उल्लंघन होने से अतिक्रमण की श्रेणी में पाया गया। अतः अप्रार्थीगण को अतिक्रमी माना जाकर मौजा धोलिया के खसरा नम्बर 456 रकबा 0.07 बीघा गैर मुमकिन रास्ता से बेदखल किये जाने का आदेश दिया गया, एवं संवत् 2075 की वार्षिक लगान दर 0.55 रुपये के 50 गुणा से जुर्माना रुपये 10/- अक्षरे दस रुपये कायम किया गया व अपीलान्त/अप्रार्थीगण से जुर्माना वसूली हेतु पटवारी हल्का को भौतिक रूप से बेदखली हेतु भू-अभिलेख निरीक्षक एवं मांग कायमी हेतु तहसील राजस्व लेखाकार को आदेश दिये गये।

उक्त निर्णय से व्यथित होकर अपीलान्त द्वारा यह अपील दिनांक 10.06.19 को इस न्यायालय में प्रस्तुत की गयी। अपीलान्त की अपील को दिनांक 10.06.19 को दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पोंडन्ट को जरिये सम्मन सुनवाई हेतु तलब किया गया। अधीनस्थ न्यायालय का रिकार्ड हेतु तलबी जारी की गयी। अधीनस्थ न्यायालय के पत्रांक राजस्व/2021/18 दिनांक 18.02.2021 के द्वारा अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली इस न्यायालय को प्राप्त हुई।

[3] -वकील अपीलान्त की बहस सुनी गयी। वकील अपीलान्त ने अपनी अपील के तथ्यों को दोहराते हुए तर्क दिया है कि:-

[3](1)-यह है अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष दिनांक 31.07.2018 को जवाब पेश कर




अतिरिक्त जिला कलेक्टर
डीडवाना

आग्रह किया कि अपीलान्ट के खेत में से आने जाने वाला रास्ता में आज तक कोई भी रूकावट नहीं है और निर्बाध रूप से चला आ रहा है तथा ही पूर्वकाल में 40-50 वर्षों पूर्व से जो रास्ता बहता आया था उसे ग्राम पंचायत द्वारा मनरेगा के तहत ग्रेवल सड़क का निर्माण भी निर्विवाद रूप से कराया था तथा वर्तमान में ग्राम पंचायत ने ब्लॉक सड़क का निर्माण भी सर्वसम्मति से बिना किसी बाधा के कराया था जो इस खेत के दक्षिण दिशा में आम आदमी के साथ साथ 25-30 घरो में आने जाने के लिये है और रास्ते की कोई भी समस्या आम आदमी व आने-जाने को नहीं है। इस पर कोई भी अधीनस्थ न्यायालय ने अपने निर्णय में विचार नहीं करके कानूनी भूल की है जिससे यह उक्त आदेश अपास्त/खारीज किये जाने योग्य है।

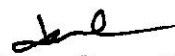
{3}(2) - यह है कि रास्ते बाबत अधीनस्थ न्यायालय से खेत की दक्षिणी सीमा का सीमाज्ञान करवाकर पत्थरगढी करवाने का भी निवेदन किया जिस पर भी अधीनस्थ न्यायालय ने कोई विचार नहीं कर कानूनी भूल की है जिससे यह उक्त आदेश अपास्त/खारीज किये जाने योग्य है।

{3}(3) - यह है कि भू निरीक्षक कसुम्बी अलीपुर ने रास्ते के दक्षिणी सीव पर उस स्थान पर रास्ता बनाया हुआ है जिसमें पक्की ब्लॉक की सड़क बनायी हुई है, यह तथ्य अपनी जाँच रिपोर्ट में अधीनस्थ न्यायालय को प्रस्तुत किये है जिस पर भी अधीनस्थ न्यायालय ने विचार नहीं करके कानूनी भूल की है जिससे यह उक्त आदेश अपास्त/खारीज किये जाने योग्य हैं।

{3}(4) - यह है पत्रावली में हल्का पटवारी क मौखिक बयान नहीं लेने में अधीनस्थ न्यायालय ने भारी भूल की है, जिससे उक्त पारीत आदेश अपास्त किये जाने योग्य है।

अपील अपीलान्ट ने बहस के दौरान निवेदन किया है कि अधीनस्थ न्यायालय का प्रकरण संख्या 46/2018 बअनुवान सरकार जरिये पटवारी हल्का लैडी बनाम



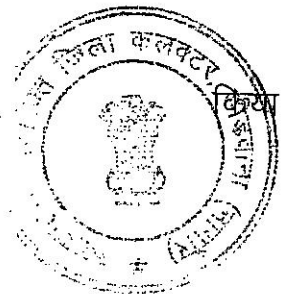

अतिरिक्त जिला कोर्ट
अलवर


नरपतसिंह वगैरह में निर्णय दिनांक 13.05.2019 खारीज किया जाकर उक्त अपील को स्वीकार किया जावे।

[4] - बहस व पत्रावली पर उपलब्ध रिकोर्ड का अवलोकन किया व मनन किया गया। पटवारी हल्का लैडी की रिपोर्ट, जिसकी जाँच भू०अ०निरीक्षक कसुम्बी अलीपुर द्वारा की गयी, जिसके अनुसार अपीलार्थी द्वारा ग्राम धोलिया, के खसरा नम्बर 456 रकबा 0.07 बीघा किस्म गै० मु० रास्ता को खेत मिलाकर राजकीय भूमि पर अतिक्रमण किया हुआ है। आदेश जैर अपील पारित करने से पूर्व अपीलार्थी/अपीलान्त को विधिवत नोटिस दिया गया है। अपीलान्त/अपीलार्थी का नोटिस चस्पा होकर अधीनस्थ न्यायालय को प्राप्त हुआ। दिनांक 31.07.2018 को अपीलान्त/अपीलार्थीगण स्वयं अधीनस्थ न्यायालय में उपस्थित हुवे, तथा जवाब पेश किया, जो पत्रावली पर उनके हस्ताक्षर से साबित है।

अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली पर उपलब्ध अपीलान्त/अपीलार्थीगण का जवाब में उनके द्वारा यह कथन किया है कि हमारे खेत की दक्षिणी दिशा में रींगण की तरफ जाने वाला रास्ता 40-50 वर्षों से चला आ रहा है। जिसमें कोई रुकावट आज तक नहीं है। आज भी निर्बाध रूप से चला आ रहा है, साथ ही यह अवगत करवाया है कि उक्त रास्ते में पूर्वकाल में ग्राम पंचायत द्वारा मनरेगा के तहत ग्रेवल सड़क का निर्माण भी निर्विवाद रूप से हुआ था तथा वर्तमान ग्राम पंचायत ने ब्लॉक सड़क का निर्माण भी सर्वसम्मति से बिना किसी बाधा के हुआ है। साथ ही यह बताया कि उनके खेत की दक्षिण दिशा में 25-30 परिवार निवास कर रहे हैं जो वर्षों पूर्व जब यहां बसने के लिये आये तो उनके घरों में जाने के लिये रास्ते की समस्या थी तब उनके आग्रह पर उनके पूर्वजों ने हमारी जमीन में से रास्ता देकर उनको घरों में जाने के लिये सुविधा प्रदान की तथा इस रास्ते को दक्षिण दिशा में तय किया जो आज भी बदस्तुर आवागमन जारी है। अतः अपीलान्त/अपीलार्थीगण के जवाब में स्वयं ने बताया है की अपीलार्थीगण ने कटटाणी रास्ते को बन्द कर दूसरी जगह पर डाला हुआ है, जिससे साबित होता है कि अपीलार्थीगण का रास्ते पर अतिक्रमण है।

प्रस्तुत प्रकरण में अपीलान्त द्वारा गै०मु० रास्ता की भूमि पर नाजायज कब्जा किया गया है। उक्त भूमि राजस्थान टीनेन्सी एक्ट 1956 की धारा 16 के तहत



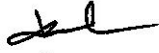

अतिरिक्त जिला कलेक्टर
डी.डवाना

प्रतिबन्धित भूमि में आती है तथा अधीनस्थ न्यायालय ने विधिवत कार्यवाही कर अपीलान्ट को बेदखली का आदेश पारित किया गया है। इस प्रकार अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आदेश विधि सम्मत होने से इसमें कोई हस्तक्षेप किया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है।

:::: आदेश ::::

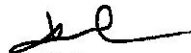
अतः अपीलान्ट की अपील खारीज की जाकर अधीनस्थ न्यायालय का आदेश दिनांक 13.05.2019 यथावत रखा जाता है।




(रिज्जामल सिंह कुरड़कर)
अतिरिक्त डी.डवाना कलक्टर
डी.डवाना (नागौर)

निर्णय आज दिनांक 03.03.2021 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।




(रिज्जामल सिंह कुरड़कर)
अतिरिक्त डी.डवाना कलक्टर
डी.डवाना (नागौर)